राम राम, काका

राम राम. आओ, आओ मैनेजर सा'ब. बैठो सा'ब.

जानते हो न, गाँव में खाता खुलवाने का कैंप लगा है. तुम तो दिखे ही नहीं. खाता नहीं खुलवा रहे हो क्या?

क्या खुलवाएँ सा'ब, पैसे ही नहीं बचते. दाल-रोटी मुश्किल से चलती है.

थोड़े तो बचते होंगे! अच्छा यह बताओ, पान-बीड़ी, गुटका खाते हो?

पान-बीड़ी तो नहीं, हाँ, गुटका खा लेता हूँ.

अच्छा, दिन में कितने गुटके खाते हो?

यही कोई चार-पाँच.

चार - पाँच!!!, अरे.... आठ-दस खा जाते होंगे.

यह गुटका कितने का आता है?

अब कितनी महंगाई है, गुटके भी महंगे आते हैं. वैसे मैं दो रुपये वाला खाता हूँ.

मतलब रोज दस रुपये गुटकों पर खर्च करते हो. अगर गुटका खाना बंद करो तो रोज दस रुपये बच सकते हैं?

सा'ब कभी-कभी तो उससे भी ज्यादा खाते हैं.

अब रोज के दस, तो महीने के हुए तीन सौ और वर्ष में तीन हजार छः सौ रुपये बचा सकते हो कि नहीं?

साल में तीन हजार छः सौ रुपये?

हां, और बैंक में खाता खुलवा कर उसमें जमा करवाओगे तब बैंक ब्याज देगा वह अलग से!

इतने सारे पैसे? और ऊपर से ब्याज? फिर तो हमारे पैसे कितने बढ़ जाएंगे! इतने में तो हम अपनी कमली के लिए सिलाई मशीन खरीद सकते हैं.

यह बताओ भैया! अगर थोड़े से पैसे की अचानक जरूरत आ गई, कोई बीमारी या और कुछ, तब क्या करते हो?

सा'ब थोड़े से पैसे तो बचा कर रखते हैं और ज्यादा रूपये चाहिए तो महाजन से कर्ज भी लेते हैं.

अच्छा, कहां रखते हो?

मैं तो कपड़े में गांठ बांध कर अनाज के डिब्बे में छिपा देती हूँ.

किसी मटके में या फिर कपड़ों की तह में.

इसमें तो गुम हो जाने, चोरी हो जाने या चूहे द्वारा कुतर दिए जाने का भय रहता है.

बात तो आपकी सही है. एक बार बरसात में गाँव में पानी भर गया तब घर की चीजों के साथ-साथ मेरे सारे पैसे बह गए थे.

अब बैंक में जमा कराए होते तो बच जाते और समय पर काम भी आते!

पर बैंक में भी पानी भर गया था.

खाते का सारा हिसाब मुख्य कंप्यूटर में सुरक्षित रहता है. इसलिए आपके पैसे हमेशा सुरक्षित रहते हैं और आप कभी भी, कहीं से भी पैसा निकाल सकते हो.

अब मैं तुम्हें खाता खुलवाने के और फायदे बताता हूँ. मनरेगा के भुगतान, स्कूल में पढ़ रहे बच्चों की छात्रवृति, सरकारी योजनाओं की सब्सिडी आदि सरकारी लाभ भी बैंक में जमा होंगे. इसलिए भी खाता खुलवाना जरूरी है.

तब तो सरकारी अनुदान मिलना सुरक्षित हो जाएगा!

और हां, दूर के किसी अन्य गांव या शहर में रहने वाले रिश्तेदारों, जान-पहचान वालों को भी बैंक से आसानी से रूपये भेजे जा सकते हैं जो उसी दिन उन्हें मिल जाते हैं और वे जब चाहे निकाल भी सकते हैं. तो अब बताओ, खाता खुलवाना जरूरी है न?

जरूर सा'ब. मेरा खाता कैसे खुल सकता है?

क्या तुम्हारे पास आधार कार्ड है?

हां सा'ब, है.

बहुत अच्छा! फिर तो आपका खाता खोलना और भी आसान हो गया. और यदि आपके किसी दोस्त या रिश्तेदार के पास नहीं है, तो जगह-जगह खाता खुलवाने के कैम्प खुले हैं वहां जा कर उन्हें खाता खुलवाने के लिए कहें.

ठीक है.

वैसे बैंक में खाता खोलने के लिए फोटो के साथ पहचान-पत्र और पते का प्रमाण जरूरी होता है, जैसे राशन कार्ड, लाइटबिल, मतदान कार्ड, आधार कार्ड– इनमें से किसी भी एक दस्तावेज की जरूरत होती है.

ये सब तो हमारे पास हैं और आधार कार्ड भी है. तब तो हम कल ही खाता खुलवाने आ जाते हैं.

और तुम गुटका खाना बंद करोगे, कल से नहीं आज से ही. और फिर जाकर आज ही खाता भी खुलवा लोगे. कहे देती हूँ, हाँ...

गोपाल भैया रामराम. कोई महेमान आए हैं का?

अरे किसन भैया! आओ, आओ. ये बैंक के साहब आए हैं. उन्होंने हमें खाता खुलवाने के फायदे बताए और अब हमारा खाता भी खुलवा देंगे. तुम भी खाता खुलवा लो, भैया.

सा'ब ये हमारे भैया हैं, पास के गाँव में रहते हैं. पर उनके गाँव में तो बैंक ही नहीं है, तो उनका खाता भी खुल सकेगा?

क्यों नहीं भाई. उनका खाता भी खुल सकेगा. हमारा प्रतिनिधि, जिसे बैंक-मित्र कहते हैं, वह मशीन के साथ गाँव में आएगा और खाता खोल कर वही सारा लेन-देन करवाएगा. पैसा जमा भी करेगा और मशीन से प्रिंट करके रसीद भी देगा.

और पैसा निकालना हो तो वह भी देगा?

हां, जरूर. बैंक-मित्र जरूरत पर रुपये भी देगा, साथ ही बैंक आपको रूपे कार्ड देगा जिसकी मदद से आप एटीएम से रुपये निकाल सकते हैं. और हां, रूपे कार्ड के साथ एक लाख रूपये का एक्सिडेंट बीमा भी मुफ्त में दिया जाता है.

बीसी मशीन पर अंगूठा रखवा कर पहचान करेगा और खाते में जमा पैसे में से निकाल कर पैसा देगा.

न भैया न. अंगूठा तो मैं न लगाऊँ.

अरे! डरो मत. बैंक साहूकार की तरह अंगूठा थोड़े ही लगवाता है! सभी के अंगूठे के निशान अलग होते हैं. किसी के एक जैसे नहीं होते. मशीन अंगूठे के निशान से पहचान करती है कि यह खाता किसका है.

और साहूकार की तरह हिसाब में भी कोई गोलमाल नहीं. है न सा'ब?

अरे, बिल्कुल नहीं. बैंक सारे लेनदेन की रसीद देता है और खाते की पासबुक भी देता है, जिसमें पैसे जमा करवाने और निकालने का रिकार्ड रहता है. और हां, आप खाते में नोमिनेशन भी करवा सकते हैं और खाते में अपने बच्चे और पत्नी का नाम भी जोड़ सकते हैं.

बाद में जरूरत के समय आपके खाते में पैसे न हों तब भी बैंक आपको उधार दे सकता है और आप ऐसा उधार चुकाने में नियमित रहते हैं तो बैंक 2000/- रुपये तक का उधार दे सकता है, जिसे ओवरड्राफ्ट कहते हैं. और इसे 5000 रुपये तक बढ़ा सकते हैं.

इस सुविधा से अब आपको साहूकार के पास कर्ज़ लेने के लिए नहीं जाना पड़ेगा.

साब मुझे तो विश्वास ही नहीं होता!

अब और एक फायदा बताऊँ खाता खुलवाने का. बैंक छः मास देखेगा कि आप खाते को नियमित चला रहे हैं तो बैंक से और भी सुविधाएं, लोन आदि मिल सकते हैं.

पर इस उधार पर बैंक ब्याज तो लेगा न?

ब्याज तो लगेगा, पर बहुत कम दर पर....

मैंने सुना है बैंक साहूकार से ज्यादा ब्याज लेता है? क्या सही है, साब?

अरे! यह तो आपको भरमाने के लिए किसी ने कहा होगा. देखो, बैंक 12 टका ब्याज लेता है जो एक साल के लिए होता है. मतलब महीने का 1 टका हुआ. अब साहूकार तो साथ में जमीन भी गिरवी रख लेता है और ब्याज भी लगभग 5 टका महीने का लेता है. सोचो, बैंक से कितना ज्यादा हुआ?

अरे बाप रे... ! मतलब साहूकार हमें कितना लूटता रहा है?

इतना कम ब्याज हो, तो और कहीं से क्यों, हम बैंक से उधार न लें? साब, बैंक और किस-किस बात के लिए उधार देता है?

बैंक की बहुत सारी योजनाएँ हैं.

बैंक खेती के लिए बीज, खाद, दवा आदि के लिए लोन देता है. ट्रैक्टर, अन्य साधनों की खरीद के लिए भी लोन देता है. इतना ही नहीं, मुर्गी, मछलीपालन, पशुपालन और अन्य कई कामधंधे के लिए बैंक लोन देता है.

और सुनो, बैंक बच्चों की पढ़ाई के लिए तथा मकान बनाने या खरीदने के लिए भी लोन देता है.

तब तो मेरी कमली बेटी के लिए सिलाई मशीन में पैसे कम पड़े तो बैंक से लोन मिल सकता है, है न?

हां, पर कमली को खूब पढ़ाना जरूर. इसके लिए बैंक आपको मदद करेगा. और फिर किसान क्रेडिट कार्ड, जनरल क्रेडिट कार्ड आदि सुविधाएं भी हैं.

ये कारड काहे के लिए है ? उससे हम क्या कर सकते हैं ?

ये कार्ड बहुत काम की चीज़ है. आप पास के शहर में ख़रीदारी करने जाते हो तो जेब में पैसा सुरक्षित नहीं रहता. कभी गिर जाए, जेब कट जाए तो कितनी परेशानी होती है?

हाँ सा'ब. हमेशा डर बना रहता है, पैसे खो जाने का.

अब कार्ड से आप एटीएम मशीन से खुद ही पैसे भी निकाल सकते हो.

सा'ब, हम वो एटीएम मशीन कैसे चलाएंगे? हमें तो नहीं आता!

अरे, यह तो बहुत आसान है. कार्ड के साथ हमें एक पिन नंबर मिलता है, जिसकी मदद से हमें चार अंकों का एक अपना गुप्त नंबर बना लेना है और उसको हमेशा याद रखना है. इस नंबर को कभी किसी को बताना नहीं चाहिए.

सा'ब, फिर?

फिर मशीन में कार्ड डालने पर वह नंबर पूछेगी, तब यह नंबर दबा कर नंबर डालना है. वह नंबर सही होने पर ही मशीन काम करेगी और उसमें हमें कुछ विकल्प पूछे जाएंगे जैसे बेलेंस जानना, पैसे निकालना, अपना पिन नंबर बदलना वगैरह. फिर अगर पैसे निकालना है तो जितने रूपये निकालने है, वह नंबर वाले बटन दबा कर बताना है. बस! फिर अपने आप उतने रूपये निकल आएंगे. और साथ में छोटी सी पर्ची भी निकलेगी कि अब आपके खाते में कितने रूपये बचे.

अरे यह तो कितना अच्छा है! यह कार्ड तो बड़े काम की चीज़

एटीएम में तो यूनिवर्सल एक्सेस होता है. मतलब आप कहीं भी जाएं तो उस शहर या गांव में भी पैसे निकाल सकते हैं. अगर कभी बैंक-मित्र नहीं आता है तो आप हाट जा कर या किसी दूसरे बैंक के एटीएम से भी पैसे निकाल सकते हैं.

इतना ही नहीं, कार्ड से आप दूकानों में जा कर सीधे खरीदारी कर सकते हो और उतनी रकम आपके खाते से अपने आप कट जाती है और दूकानदार आपको माल दे देता है.

अरे वाह! बिना पैसे के ख़रीदारी!

यह तो बहुत अच्छा. अरे सा'ब यहाँ मंडी में हमें गंदे और पुराने, फटे हुए नोट मिलते हैं. फिर शहर के दूकानदार हमसे वह लेने के लिए तैयार नहीं होते. हमें बट्टे वालों से आधे पैसे में बदलवाने पड़ते हैं.

और छुट्टे पैसे की भी मगज़मारी होती है.

ऐसी बात है? तो सुनो, बैंक में आपके पुराने, कटे-फटे नोटों को बदलने की सुविधा भी है और सिक्कों का वितरण भी होता है.

अच्छा? लो, हम तो इसके मारे कितने परेशान होते रहे!

सच बात तो यह है कि अब आपके कई काम बैंक में जाए बिना भी हो सकते हैं. अच्छा बताओ, तुम्हारे पास मोबाइल है क्या?

हां सा'ब, मेरे पास यह है न!

अब इस मोबाइल से भी आपके कई काम बिना बैंक में जाए हो सकते हैं!

वह कैसे सा'ब?

इसे यूएसएसडी सुविधा कहते हैं. एक बार आपको अपना मोबाइल नंबर या तो एटीएम मशीन से अथवा शाखा में जा कर एक फार्म भर कर अपने खाते से जोड़ना होगा. फिर जिस प्रकार आप एसएमएस भेजते हैं, वैसे ही संदेश भेज कर अपने खाते का बेलेंस जान सकते हो, खाते का छोटा विवरण मंगवा सकते हो और अपने किसी रिश्तेदार, दोस्त या किसी ओर के खाते में पैसा भी भेज सकते हो.

इससे तो हमें अच्छी सुविधा मिल जाएगी, पर हमारे पास तो महंगा और अच्छा वाला मोबाइल नहीं है.

यह काम तो सभी मोबाइल से हो सकता है.

पर सा'ब उसमें कोई खतरा तो नहीं? हमारे पैसे चले जाए या और किसी को पता चल जाए!

यह बिल्कुल सुरक्षित है, चिंता की कोई बात नहीं है.

बैंक आपके जीवन में खुशहाली लाने के कितने प्रयास करता है. एक और उदाहरण दूँ. बैंक ने कई जगह ग्राम सलाह-केंद्र भी खोले हैं.

वह किसलिए?

वह इसलिए कि किसानों को अच्छे बीज, खाद, दवाइयों और नई तकनीकों, सिंचाई वगैरह के लिए जानकारी दी जा सके. मंडी और बाज़ार संबंधी सलाह दे सके.

उसके लिए क्या, पैसा देना होगा?

चित्र/डिजाइन: शिवा हिरेमठ

आपकी आमदनी और खर्चों का लेखा-जोखा

नाम	गोपाल		जमीन का क्षेत्रफल	5 एकड़	दुधारू पशु	दो गायें
आयु	45 वर्ष		परिवार के सदस्य	पत्नी, दो बच्चे, पिताजी		

आमदनी			
	मासिक रुपये	विवरण	वार्षिक रुपये
कृषि द्वारा	10000	20 क्विन्टल प्रति एकड़ और 12रु. प्रति किलो की दर से	120000
पशुओं द्वारा	4000	2000 रुपये प्रति महीने प्रति दुधारू गाय	48000
मेहनताना मजदूरी नौकरी	0		0
व्यवसाय द्वारा	1000	एक छोटी सी किराने की दूकान	12000
सरकारी अनुदान	200	65 वर्षीय पिताजी को सरकार द्वारा 200 रुपये प्रति महीने (सरकारी सुरक्षा)	2400
पूंजी विक्रय द्वारा	0	पुराने ट्रैक्टर को 1 लाख रुपये में बेचने पर	100000
कुल (अ)	15200	कुल (ब)	282400

खर्च			
	मासिक रुपये	विवरण	वार्षिक रुपये
कृषि के लिए	4167	बीज, खाद, दवाई, मजदूरी के लिए 1000 रुपये प्रति एकड़	50000
पशुओं के लिए	2000	चारा और दवाई 1000 रु. प्रति गाय के हिसाब	24000
भोजन के लिए	3000		36000
स्वास्थ्य के लिए	500	पिताजी की दवाई	6000
कपड़ों के लिए	200	साल के 5000 रुपये (दिवाली के समय)	5000
शिक्षा के लिए	200	स्कूल की फीस 100 रुपये प्रति बच्चा	2400
आवास के लिए		घर की मरम्मत के लिए	10000
मनोरंजन के लिए	100	मासिक 100 रुपये	1200
यात्रा के लिए	150	शहर जाने या भ्रमण के लिए	1800
पुराने ट्रैक्टर का बाकी लोन			50000
सामाजिक कार्यक्रम के लिए		साल भर के दौरान	500
कुल (क)	10117	कुल (ड)	186900

आपकी आमदनी और खर्चों का लेखा-जोखा

नाम		जमीन का क्षेत्रफल		दुधारू पशु	
आयु		परिवार के सदस्य			

आमदनी				खर्च			
	मासिक रुपये	विवरण	वार्षिक रुपये		मासिक रुपये	विवरण	वार्षिक रुपये
कृषि द्वारा				कृषि के लिए			
				पशुओं के लिए			
पशुओं द्वारा				भोजन के लिए			
मेहनताना मजदूरी नौकरी				स्वास्थ्य के लिए			
				कपड़ों के लिए			
व्यवसाय द्वारा				शिक्षा के लिए			
सरकारी अनुदान				आवास के लिए			
				मनोरंजन के लिए			
पूंजी विक्रय द्वारा				यात्रा के लिए			
				बैंक लोन की किश्त			
कुल (अ)				सामाजिक कार्यक्रम के लिए			
				कुल (क)		कुल (ड)	

मेरी मासिक बचत (अ)-(क)=
मेरी वार्षिक बचत (ब)-(ड) =

<u>अब मैं निवेश करुंगा</u> -
बचत जमा खाते में –
आरडी जमा खाते में-
एफडी जमा खाते में-

प्रधानमंत्री जन-धन योजना